सार-समाचार

रीतिका वशिष्ठ एफएमजीई परीक्षा में पास

रीतिका वशिष्ठ

जालोर,(का.सं.)। जालोर की रीतिका वशिष्ठ ने ताजिकिस्तान से एमबीबीएस की डिग्री प्राप्त कर विदेशी चिकित्सा स्नातक परीक्षा (एफएमजीई) की परीक्षा प्रथम प्रयास मे उत्तीर्ण करने पर समाज बंधुओं ने बधाई देकर खुशी जाहिर की। जालोर के राजेन्द्र नगर आशापूर्णा रोड निवासी रीतिका पुत्री विश्वेश वशिष्ठ ने ताजिकिस्तान की एविसेन्ना ताजिक स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी दुशांबे से 2025 में एमबीबीएस की डिग्री पुरी कर भारत में चिकित्सा व्यवसाय करने के लिए एफएमजीई परीक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक होने से रीतिका ने पहले ही प्रयास में ही परीक्षा पास कर जालोर जिले का नाम रोशन किया। रीतिका के दादा भगवती प्रसाद स्कूल लेक्चरर से सेवानिवृत्त हुए है। वही उसके पिता विश्वेश वशिष्ठ जिला एवं सत्र न्यायालय जालोर मे प्रोटोकॉल आफिसर है। रीतिका के एफएमजीई परीक्षा पास करने पर समाज बंधुओं ने हर्ष जताकर बधाई दी।

आरोग्य भारती जोधपुर की बैठक हुई

जोधपुर, (कासं)। आरोग्य भारती जोधपुर महानगर द्वारा संघ कार्यालय डॉ. हेडगेवार भवन नेहरू पार्क में संपूर्ण समाज के स्वास्थ्य विषय पर केंद्रित एक बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम में राजस्थान क्षेत्र, उत्तर क्षेत्र के संयोजक और आरोग्य मित्र प्रशिक्षण योजना के अखिल भारतीय प्रमुख संजीवन कुमार, प्रांत संरक्षक बृज किशोर माथुर, प्रांत अध्यक्ष प्रो. गोविंद प्रसाद गुप्ता, जोधपुर महानगर अध्यक्ष पदम सिंह सहित प्रांत एवं महानगर के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक का शुभारंभ विधिवत भगवान धन्वंतरि की पूजा से हुआ, जिसके माध्यम से समाज के आरोग्य, कल्याण और सकारात्मक ऊर्जा की कामना की गई। इसके पश्चात परिचय सत्र में कार्यकर्ताओं ने अपने दायित्व का विवरण साझा किया। संजीवन कुमार ने अपने उद्बोधन में संपूर्ण समाज के स्वास्थ्य विषय को केंद्र में रखते हुए भारतीय स्वास्थ्य दृष्टिकोण की व्यापकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आरोग्य भारती का उद्देश्य केवल बीमारी का उपचार नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ बनाने की दिशा में कार्य करना है।उन्होंने योग एवं प्राणायाम के लाभ, व्यसन-मुक्ति की आवश्यकता, प्राथमिक उपचार का जन-जन में प्रसार, घरेलू उपचार का महत्व, वनौषधियों एवं औषधीय पौधों का उपयोग, पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता के माध्यम से स्वास्थ्य संवर्धन, गर्भ संस्कार के सांस्कृतिक एवं वैज्ञानिक पहलुओं, महिलाओं और बच्चों के सुपोषण, सामुदायिक स्वास्थ्य परीक्षण शिविरों तथा अध्यात्म और मानसिक शांति के गहरे संबंध पर विस्तार से चर्चा की।इस अवसर पर जोधपुर प्रांत अध्यक्ष प्रो. गोविन्द प्रसाद गुप्ता ने आरोग्य भारती जोधपुर द्वारा संचालित गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की।

आयुर्घोष 2026 में हुए अनेक मुकाबले

जोधपुर, (कासं)। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के आंगिक यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ़ नैचुरोपैथी एंड योगिक साइंसेज एवं यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ़ होम्योपैथी में वार्षिक अंतर-कक्षीय खेल प्रतियोगिता आयुर्घोष 2026 के अंतर्गत आज विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। कुलगुरु प्रोफेसर (वैद्य) गोविंद सहाय शुक्ल ने कहा कि खेल केवल शारीरिक सुदृढ़ता का माध्यम नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण आधार हैं। इस श्रृंखला में अब तक खो खो (गर्ल्स) में बीएनवाईएस 2024 बैच विजेता रही, टग ऑफ वार बीएचएमस 2023 (बॉयज) बैच, 2024 बैच (गर्ल्स)विजेता रही। अन्य खेलों के फाइनल 17 फरवरी 6 को आयोजित होंगे। आयुर्घोष 2026 में विश्वविद्यालय के आंगिक नैचुरोपैथी एवं होम्योपैथी महाविद्यालयों से 200 से अधिक खिलाड़ी भाग ले रहे हैं तथा प्रतियोगिता के अंतर्गत 12 खेल स्पर्धाओं का आयोजन किया जा रहा है जिसके सफल संचालन के लिए महाविद्यालयों के खेल प्रभारी डॉ. विक्रांत त्रिपाठी एवं डॉ. अजीत सिंह चारण को समन्वयक नियुक्त किया गया है। इस अवसर पर प्राचार्य पीजीआईए प्रो. चंदन सिंह, होम्योपैथिक प्राचार्य डॉ. गौरव नागर, योग एवं नेचुरोपैथी प्राचार्य डॉ. चंद्रभान शर्मा, बीएससी नर्सिंग प्राचार्य डॉ. दिनेश राय, पीजीआई खेल प्रभारी डॉ अरुण दाधीच सहित विभिन्न महाविद्यालयों के शिक्षक तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

जालोर में छह दिन से पेजजल आपूर्ति नहीं

जालोर, (कासं)। जालोर जिला मुख्यालय पर विगत छह दिन से पेयजल आपूर्ति नही होने से गर्मी से पूर्व ही लोगो को पानी की किल्लत का सामना करना पड रहा है। गर्मी की दस्तक से पूर्व ही जलदाय विभाग पेयजल आपूर्ति को लेकर उदासीन नजर आ रहा है। पेयजल आपूर्ति नही होने से आमजन को परेशानी उठानी पड रही है। जालोर शहर के भीतर इलाके भण्डारियो का वास, किले की घाटी, सोलंकियो का वास, जीनगर मोहल्ला सहित कई कॉलोनियों में नियमित पानी की आपूर्ति नही होने से लोगो को गर्मी से पूर्व ही पानी की समस्या सता रही है। जलदाय विभाग द्वारा पूर्व तैयारी नही करने से तथा मॉनिटरिंग का अभाव होने से पानी की समस्या जालोर में बढ रही है। जालोर में करीब छह सात दिन से पानी की आपूर्ति करने से आमजन को पेयजल किल्लत का सामना करना पड रहा है। पेयजल समस्या हल करने को लेकर चुनाव के दौरान कई नेता जवाई, नर्मदा सहित अन्य परियोजना के माध्यम से जालोर जिले को पेयजल समस्या से निजात दिलाने के लम्बे लम्बे वादे करते रहे है। लेकिन धरातल पर कोई भी उनकी पेयजल परियोजना लागू नही हो पाई है। नर्मदा के पानी को लेकर भाजपा व कांग्रेस कई वर्षो से लोगो को झुनझुना पकडाकर वोट की राजनीति करते रहे है। जलदाय विभाग जालोर के एईएन मुकेश कुमार ने बताया कि विगत कुछ दिन से नर्मदा के पानी की आपूर्ति नही हो पाई है। वही उम्मेदाबाद स्टेशन पर विधुत कटौती होने से पानी जिला मुख्यालय तक नही पहुंच पाया है। जल्द ही पेयजल आपूर्ति बहाल कर दी जायेगी।

सम्मान समारोह आयोजित

बालोतरा, (निसं)। मदरसा मौलाना अबुल कलाम आजाद उच्च प्राथमिक विद्यालय बालोतरा में सोमवारको कक्षा 8वीं के विद्यार्थियों के सम्मान में विदाई समारोह बड़े ही भावुक और गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत तिलावत-ए-कुरआन और स्वागत भाषण से हुई। विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों ने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ देते हुए मेहनत, अनुशासन और अच्छे संस्कारों को जीवन का आधार बनाने की प्रेरणा दी। समारोह में मुख्य अतिथि मदरसा इंतेजामिया कमेटी हाजी मोहम्मद तैय्यब और गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ देकर माहौल को उत्साहपूर्ण बना दिया। कुछ छात्रों ने अपने अनुभव साझा करते हुए शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया। कई पलों पर माहौल भावुक हो उठा जब विद्यार्थियों ने अपने गुरुजनों से आशीर्वाद लिया। विद्यालय के प्रधान शिक्षा अनुदेशक हस्ताराम पाँचल ने अपने संबोधन में कहा कि कक्षा 8वीं जीवन का महत्वपूर्ण पडाव है और आगे की पढाई में निरंतर प्रयास ही सफलता की कुंजी है। अंत में सभी विद्यार्थियों को स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया तथा सामूहिक दुआ के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। विद्यार्थियों ने यादगार स्वरूप मदरसे को दो व्हाइट बोर्ड एवं एक दीवार घी भेंट की। यह विदाई समारोह विद्यार्थियों के लिए यादगार बन गया और सभी ने उनके सुनहरे भविष्य की कामना की। इस अवसर पर शिक्षा अनुदेशक मोहम्मद अकरम कुरैशी,रुहिना परवीन, अध्यापक देमाराम पाँचल, रतनलाल,मुज्जफर अली,महेंद्र कुमार, अर्जुनराम, रुखसाना बानो,सुरेश कुमार, ब्लॉगर मोहम्मद फारुख सुमरो और भरत कुमार सौलंकी उपस्थित थे।

'मेरी पॉलिसी मेरे हाथ' कार्यक्रम हुआ

जैसलमेर, (नि.सं.)। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत " मेरी पॉलिसी मेरे हाथ" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान उपनिदेशक कृषि (आत्मा) बी.आर.बाकोलिया, दीनसिंह, पटवार डाबला के सरपंच प्रतिनिधि दानसिंह, कृषि पर्यवेक्षक प्रदीप कुमार प्रधानमंत्री फसल बीमा से जिला प्रबंधक इन्द्र प्रताप सिंह, तहसील प्रतिनिधि हितेश कुमार सियोल, कुलदीप सिंह राठौड़, आशूसिंह, मांगूसिंह तथा समस्त पटवारवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान जिला प्रबंधक, इंद्र प्रताप सिंह द्वारा फसल बीमा योजना के बारे में सम्पूर्ण जानकारी दी गई। इसके साथ ही इस अवसर पर बी आर बाकोलिया व इंद्र प्रताप सिंह द्वारा किसानों को फसल बीमा पॉलिसी वितरित की गई। उल्लेखनीय हैं कि 16 फरवरी से 15 मार्च तक जैसलमेर जिले के प्रत्येक ग्राम पंचायतवार पॉलिसी वितरण कार्यक्रम एवं फसल बीमा से संबंधित समस्या का समाधान किया जाएगा।

जनगणना 2027 के प्रथम चरण के लिए प्रशिक्षण शुरू

पाली में जिला, तहसील एवं नगर चार्ज के नियमित सहायकों के तीन दिवसीय प्रशिक्षण का प्रारंभ जिला कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलैक्टर एल.एन.मंत्री की अध्यक्षता में किया। फोटो-राष्ट्रदूत

पाली, (नि.सं.)। जनगणना 2027 के प्रथम चरण मकानों की गणना तथा मकान सूचीकरण की तैयारियों के क्रम में जिला, तहसील एवं नगर चार्ज के नियमित सहायकों के तीन दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलैक्टर एल.एन.मंत्री की अध्यक्षता में प्रारंभ किया गया।

जिला कलैक्टर मंत्री ने कहा कि जनगणना 2027 के प्रथम चरण आमजन के द्वारा स्वगणना 01 मई 2026 से 15 मई 2026 तक किया जायेगा व जनगणना 2027 पूर्ण रूप से डिजिटल जनगणना होगी, जिसमें प्रगणक द्वारा घर-घर डिजिटल माध्यम से मोबाइल एप पर मकान सूचीकरण का कार्य किया जायेगा। साथ ही पूरी जनगणना प्रक्रिया ब्डडै पोर्टल के माध्यम से संचालित तथा निगरानी भी पोर्टल के माध्यम से ही की जाएगी।

यह प्रशिक्षण जनगणना कार्य निदेशालय, राजस्थान के दक्ष प्रशिक्षक सहायक निदेशक दिनेश कुमार रेगर एवं डी.पी.ए सहयोगी करण यादव द्वारा प्रशिक्षण में जनगणना के इतिहास तथा भावी जनगणना की तैयारियों के क्रम में विस्तार से पोर्टल में बताया गया। आमजन द्वारा ब्डडै पोर्टल पर सूचना दर्ज करने के बाद पोर्टल पर उन्हें एक स्व गणना कोड नम्बर प्राप्त होगा, जिसे उनको जनगणना करने आए प्रगणक को दिखाने पर प्रगणक द्वारा उस कोड नम्बर को पोर्टल पर दर्ज करते ही उस परिवार की दर्ज सारी जानकारी प्रगणक को प्रदर्शित हो जाएगी, जिसे प्रगणक द्वारा वेरीफाई किया जाएगा। प्रशिक्षण में आईएएस बिरजु चौधरी, जिला जनगणना अधिकारी डॉ. बजरंग सिंह, अति. जिला कलैक्टर (सिलिंग) ओम प्रभा व उप जिला जनगणना अधिकारी राजेन्द्र कुमार टांक तथा प्रकाश डाबी सहायक सांख्यिकी अधिकारी एवं जनगणना चार्ज अधिकारियों के नियमित सहायक उपस्थित रहे।

जनगणना कार्यों के सफल व त्रुटिरहित निष्पादन के लिए प्रथम चरण में जिला एवं चार्ज अधिकारियों को दो दिवसीय व नियमित सहायकों का तीन दिवसीय गहन प्रशिक्षण जिला स्तर पर किया जाएगा। प्रमुख जनगणना अधिकारी (जिला कलैक्टर) पाली ने बताया कि जनगणना 2027 के प्रथम चरण में मकान सूचीकरण व मकानों की गणना का राज्य सरकार द्वारा निर्धारित अवधि में राज्य में स्वगणना एक मई 2026 से 15 मई 2026 तक तथा 16 मई से 14 जून 2026 तक फील्ड कार्य किया जाना है।

उन्होंने बताया कि जनगणना कार्यो के प्रशिक्षण के लिए चार्ज स्तर पर एक एवं नगर निगम के तीन नियमित सहायकों का चयन किया गया। चार्ज अधिकारी व अतिरिक्त चार्ज अधिकारी का प्रशिक्षण 19 से 20 फरवरी तक होगा एवं नियमित सहायक प्रशिक्षण 18 फरवरी तक दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम जिला कलैक्टर सभागार में आयोजित किए जाएंगे।

'बाल विवाह अभिशाप है, इससे मुक्ति अनिवार्य है'

भीनमाल, (निसं)। स्थानीय पंचायत समिति परिसर में सोमवार को सारद संस्थान एवं जस्ट राइट्स फोर चिल्ड्रन के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को संचालित बाल विवाह मुक्ति अभियान के रथ को विकास अधिकारी राजकुमार जीनगर, नागरिक कल्याण मंच के अध्यक्ष माणकमल भंडारी ने पंचायत समिति परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अभियान की सराहना करते हुए इसे सामाजिक सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। विकास अधिकारी राजकुमार जीनगर ने इस अवसर पर कहा कि बाल विवाह एक अभिशाप बन गया है। इससे मुक्ति अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि बाल विवाह मुक्ति अभियान के प्रति लोगों की रूचि बढ रही है। ग्रामीण क्षेत्र में भी लोग अब बाल विवाह करने से परहेज रखने लग गये हैं। संस्थान की सचिव सुनिता शर्मा ने बताया कि हरी झंडी मिलने के बाद रथ सीधे भादरडा मेले में पहुंचा। जहां लगभग बडी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति में बाल विवाह के खिलाफ व्यापक जन जागरण अभियान में लोगों को जागरूक किया गया। मेले में पहुंचे श्रद्धालुओं को बाल विवाह के सामाजिक, शारीरिक एवं कानूनी दुष्परिणामों की जानकारी दी गई। पूरे मेले में बाल विवाह मुक्ति रथ आकर्षण एवं कौतूहल का विषय बना रहा। बडी संख्या में लोगों ने रथ के पास पहुंचकर जानकारी प्राप्त की और इस पहल की सराहना की। इस दौरान सहायक अभियंता मोहनलाल चौधरी, सहायक विकास अधिकारी मांगाराम देवासी, बाबूलाल सुथार, ग्राम विकास अधिकारी भानाराम बोहरा, लेखाधिकारी अशोक कुमार बिश्नोई, अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी दिलीप कुमार दवे, रोकडपाल भरत कुमार, कंप्यूटर ऑपरेटर इकबाल खान, पारसमल सहित कई जने मौजूद रहे।

इसके पश्चात रथ ब्लॉक के विभिन्न गांवों एवं क्षेत्रों में पहुंचा, जहां ग्रामीणों, महिलाओं और युवाओं को जागरूक किया गया। अभियान के दौरान संस्थान की सुनीता शर्मा, किशोर जेसर, गुला हिमालय एवं श्रवण कुमार रथ के साथ उपस्थित रहे। टीम ने गांव-गांव जाकर लोगों को समझाया कि बाल विवाह न केवल कानूनन अपराध है, बल्कि यह बच्चों के शिक्षा, स्वास्थ्य और भविष्य पर भी गंभीर प्रभाव डालता है। अभियान के तहत संवाद कार्यक्रम, शपथ ग्रहण एवं जनसंपर्क गतिविधियों के माध्यम से लोगों को बाल विवाह रोकने के लिए प्रेरित किया गया। ग्रामीणों ने इस प्रयास को समाज के लिए आवश्यक बताते हुए भविष्य में भी ऐसे जागरूकता अभियानों की आवश्यकता जताई।

जागरूकता, शपथ एवं सफाई गतिविधियां शुरू

बालोतरा, (निसं)। पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता को बढावा देने के उद्देश्य से आज जिले में 'प्लास्टिक कचरा मुक्त अभियान' का विधिवत शुभारंभ किया गया। अभियान के अंतर्गत विभिन्न हितधारकों ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों, महिला समूहों, स्वयंसेवी संगठनों, युवाओं एवं ग्रामीणों की सहभागिता से व्यापक जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं।

अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी हीराराम कलबी ने बताया कि चौपाल स्थल पर आयोजित कार्यक्रम में प्लास्टिक कचरे के ब?ते दुष्प्रभावों पर विस्तार से चर्चा की गई। विशेषज्ञों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने बताया कि एकल उपयोग प्लास्टिक न केवल पर्यावरण को नुकसान पहुंचाती है, बल्कि मानव एवं पशुओं के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती है। जल स्त्रोतों में प्लास्टिक के पहुंचने से जल प्रदूषण बढता है और मिट्टी की उर्वरता भी प्रभावित होती है।

कार्यक्रम में बताया गया कि प्लास्टिक कचरे को उपयोगी घरेलू वस्तुओं या कलात्मक उत्पादों में कैसे परिवर्तित किया जा सकता है। स्वयं सहायता समूहों एवं ग्रामीण महिलाओं को प्लास्टिक अपशिष्ट से सजावटी सामग्री, उपयोगी डिब्बे, टोकरी एवं अन्य घरेलू वस्तुएं तैयार करने के नवाचारों की जानकारी दी गई। इससे न केवल कचरे का प्रभावी प्रबंधन होगा, बल्कि स्वरोजगार के अवसर भी सृजित हो सकेंगे। अभियान के तहत विशेष रूप से ग्रामीण महिलाओं को प्लास्टिक कचरे के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूक किया गया। उन्हें बताया गया कि प्लास्टिक जलाने से निकलने वाला धुआं स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक है और लंबे समय में गंभीर बीमारियों का कारण बन सकता है। महिलाओं से अपील की गई कि वे अपने परिवार और समुदाय में प्लास्टिक के उपयोग को कम करने के लिए प्रेरित करें। ग्रामीणों को कपडे के थैले, जूट बैग, मिट्टी एवं धातु के बर्तनों जैसे पर्यावरण-अनुकूल विकल्प अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। बाजार से खरीदारी के दौरान प्लास्टिक पैकेजिंग से बचने और पुनरू उपयोग योग्य सामग्री अपनाने का संदेश दिया गया। उपस्थित ग्रामीणों को एकल उपयोग प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने की शपथ दिलाई गई।

इसके पश्चात आसपास के रास्तों एवं सार्वजनिक स्थलों से प्लास्टिक कचरा एकत्रित कर स्वच्छता अभियान चलाया गया। युवाओं एवं स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए गांव को स्वच्छ एवं प्लास्टिक मुक्त बनाने का संकल्प लिया।

उन्होने कहा कि प्लास्टिक कचरा मुक्त अभियान को जनआंदोलन का रूप देने के लिए सामुदायिक सहभागिता आवश्यक है। यदि प्रत्येक नागरिक प्लास्टिक उपयोग को कम करने का संकल्प ले, तो स्वच्छ और स्वस्थ पर्यावरण की दिशा में ठोस परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं।

जोधपुर में पाल रोड स्थित मानसरोवर कॉलोनी में मानेश्वर महादेव मंदिर में शिव भक्तों ने शिवरात्रि धूमधाम से मनाई। शिव-पार्वती विवाह सहित कई आयोजन हुए। शाम को शिव बारात की शोभायात्रा में नृत्य करते हुए श्रद्धालुओं ने कॉलोनी की परिक्रमा की। समिति ने प्रसाद व ठंडाई वितरण किया।

पवन ऊर्जा कार्मिकों व गार्ड से मारपीट

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर शहर के निकटवर्ती मेवासा गांव में पवन ऊर्जा संयंत्र पर काम करने वाले कर्मचारियों, गार्ड आदि को बंधक बनाकर मारपीट की गई। मामला महिने भर पहले का है और अब पुलिस में केस दर्ज कराया गया है। अज्ञात शख्स के खिलाफ पुलिस जांच में जुटी है।

करवड़ पुलिस ने बताया कि सुजलोन पवन ऊर्जा कं पनी बैगडिया में लगे गार्ड सुपरवाइजर मदन सिंह पुत्र तेज सिंह ने मामला दर्ज कराया गया। इसमें बताया कि मेवासा गांव में पवन ऊर्जा संयंत्र लगा हुआ है। जहां पर सुरक्षा गार्ड, बॉर्डर गार्ड कार्यरत है।

गत 15 जनवरी को कुछ लोग आए और सभी को बंधक बनाकर मारपीट की। पवन ऊर्जा संयंत्र को काफी नुकसान पहुंचाया गया।

पीड़ित के साथ भी इस दौरान मारपीट कर बंधक बनाया गया। करवड़ पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर अज्ञात शख्स के खिलाफ जांच आरंभ की है।

वाटर सप्लाई बाधित होगी

जोधपुर, (कासं)। शहर और सटे इलाकों में कल वाटर सप्लाई बंद रहेगी। गर्मियों के लिए जल भंडारण और सभी फिल्टर प्लांट और पाइप लाइनों के रखरखाव के लिए ऐसा किया जाएगा।

कायलाना,चोपासनी और सुरपुरा फिल्टर हाउस से जुड़े सभी इलाकों में 17 फरवरी की निर्धारित जलापूर्ति अब 18 फरवरी को होगी। वहीं 18 फरवरी की जलापूर्ति 19 फरवरी को की जाएगी। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (नगर वृत्त जोधपुर) के अधीक्षण अभियंता राजेंद्र मेहता के अनुसार, झालामंड और तख्त सागर फिल्टर हाउस से जुड़े क्षेत्रों जैसे सरस्वती नगर, कुड़ी भगतासनी हाउसिंग बोर्ड के विभिन्न सेक्टर, पाल बाईपास और शिल्पग्राम के आसपास के इलाकों में 17 फरवरी को सुबह 10 बजे तक की जलापूर्ति सामान्य रूप से होगी।जबकि 18 फरवरी की जलापूर्ति अब 19 फरवरी को होगी। 19 फरवरी की जलापूर्ति 20 फरवरी को होगी।

स्मैक पीते पकड़ा

जोधपुर, (कासं)। देवनगर पुलिस ने खेमें का कुआं श्मशान रोड पर एक युवक को स्मैक का सेवन करते पकड़ा। उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण बनाया गया।

देवनगर थानाधिकारी सोमकरण गश्त पर थे। तब खेमें का कुआं श्मशान रोड पर एक संदिग्ध युवक मिला, जो स्मैक का सेवन कर रहा था।

केंद्र एवं राज्य सरकार के कार्यों की समीक्षा की

जालोर में कलैक्टर डॉ.प्रदीप के .गावंडे ने जिला अधिकारियों की साप्ताहिक बैठक ली। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर,(कासं)। जिला कलैक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में साप्ताहिक समीक्षा बैठक संपन्न हुई जिसमें उन्होंने केंद्र एवं राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति एवं क्रियान्वयन के संबंध में समीक्षा ली।

बैठक में जिला कलैक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे ने केंद्र सरकार व राज्य सरकार की विभिन्न फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए विभागीय अधिकारियों को इन योजनाओं की प्रभावी मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

उन्होंने जल जीवन मिशन, स्वच्छ भारत मिशन (शहरी व ग्रामीण), प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, पंडित दीनदयाल गरीबी मुक्त गांव योजना, प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन, मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.1, मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान, कुसुम योजना, मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0 सहित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को इन योजनाओं के माध्यम से अधिक से अधिक पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। जिला कलैक्टर ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को राजीविका के तहत नमो ड्रोन दीदी, लखपति दीदी, सोलर दीदी, कृषि सखी, पशु सखी एवं बैंक सखी कार्यक्रमों के माध्यम से पात्र महिलाओं का नामांकन सुनिश्चित करने की बात कही।

इस अवसर पर ज़िला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नन्द किशोर राजोरा, उप वन संरक्षक जयदेव सिंह चारण, सीएमएचओ डॉ. भेराराम जाणी, सूचना और प्रौद्योगिकी विभाग के संयुक्त निदेशक कपिल लूणा, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के उप निदेशक डॉ. धनसिंह राजपुरोहित सहित अधिकारी-कार्मिक उपस्थित रहे।

संत बगदाराम महाराज की वर्षी पर कार्यक्रम हुए

बालोतरा, (निसं)। नगर के जीनगर समाज की ओर से संत बगदाराम महाराज की 19वीं वर्षी महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाई गई। दो दिवसीय धार्मिक आयोजन के तहत बगदाराम महाराज समाधि स्थल, जीनगर समाज छात्रावास, सांचौर रोड सिणधरी में भव्य रात्रि जागरण, धर्मसभा एवं महा प्रसादी का आयोजन किया गया। समाधि स्थल को रंग-बिरंगी रोशनी, आकर्षक झालरों और पुष्प सज्जा से सुसज्जित किया गया, जिससे पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण में सराबोर नजर आया।

रात्रि जागरण का शुभारंभ भजन गायक केसाराम सोलंकी (रोहट) ने गुरु वंदना से किया। इसके पश्चात भजन गायक जगदीश सिंह झाला ने गणपति वंदना प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। लेखदास महाराज एवं चुनीलाल पंवार ने भी अपने मधुर भजनों से देर रात तक श्रद्धालुओं को भक्ति रस में डुबोए रखा। जागरण के दौरान श्रद्धालु पूरी रात भजनों पर झूमते नजर आए। मंच संचालन सुखदेव नाडोला चौहान, लूणाराम नाडोला चौहान एवं हरदेव नाडोला चौहान ने प्रभावी ढंग से किया। कार्यक्रम के दौरान सिवाना विधायक हमीर सिंह भायल भी दर्शनार्थ पहुंचे और संत महाराज की समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने समाज की एकता और धार्मिक आयोजनों की सराहना की। इस अवसर पर गोमाराम लेगा, पवन लक्षकार एवं राजू सिंह सोडा भी मौजूद रहे।

इस अवसर पर जोगेंद्र सिंह राठौड (सीआई), तहसीलदार हंसराज राठौड, सिणधरी जीनगर समाज अध्यक्ष खूबाराम नाडोला चौहान, बालोतरा जीनगर विकास समिति अध्यक्ष सुरेश चितारा, पूर्व पार्षद गोविंदराम गोयल, समाजसेवी नेमीचंद पंवार, नर्सिंग ऑफिसर बगदाराम चौहान, पिंटू कुमार सोलंकी (जालौर), नायब तहसीलदार जयंतीलाल सोलंकी, डॉ. गौतम जीनगर, पूर्व पार्षद गोविंदराम (सुमेरपुर), बाबूलाल चौहान मेघाराम, हनुमाना राम, धनराज, शिवलाल, दामोदर फौजी, मुकेश नाडोला चौहान, रमेश, जगदीश सोलंकी, श्रवण सोनगरा, गौरव सोलंकी, सोहनलाल सोनगरा, बाबूलाल, नरपत, सांवलाराम, प्रकाश, कमलेश चौहान, गोविंद सहित बडी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं समाजबंधु उपस्थित रहे। अंत में श्रद्धालुओं को महा प्रसादी वितरित की गई। पूरे आयोजन में अनुशासन, भक्ति और सामाजिक एकता का अद्भुत संगम देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने संत बगदाराम महाराज के आदर्शों पर चलने और समाज में सदभाव बनाए रखने का संकल्प लिया।

जोधपुर में कलैक्टर ने बैठक ली

जोधपुर, (कासं)। जिला कलैक्टर गौरव अग्रवाल की अध्यक्षता में सोमवार को मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर में जिला स्तरीय अधिकारियों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला स्तर पर संचालित विभिन्न विभागीय योजनाओं, जनसुनवाई, शिकायत निवारण, बजट घोषणाओं एवं न्यायालयीन प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की गई।

जिला कलैक्टर गौरव अग्रवाल ने निर्देश दिए कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रत्येक प्रकरण का गुणवत्तापूर्ण, तथ्यात्मक एवं संवेदनशील तरीके से निस्तारण किया जाए। उन्होंने कहा कि आमजन की शिकायतों का समयबद्ध समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। स्पष्ट निर्देश दिए कि सम्पर्क पोर्टल के प्रकरणों का निर्धारित समयावधि में निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा किसी भी स्तर पर अनावश्यक लंबितता स्वीकार्य नहीं होगी।

बैठक में मुख्यमंत्री प्रकोष्ठ एवं वीआईपी प्रकोष्ठ में लंबित प्रकरणों, न्यायालयीन प्रकरणों, अवमानना मामलों तथा पीएलपीसी से संबंधित मामलों की विभागवार समीक्षा की गई। जिला कलैक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन प्रकरणों में स्पष्ट उत्तरदायित्व तय करते हुए त्वरित एवं विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि अनावश्यक देरी से बचा जा सके।

कलैक्टर ने विभिन्न बजट घोषणाओं के अंतर्गत भूमि आवंटन से संबंधित कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी विभाग निर्धारित समय-सीमा में भूमि आवंटन की प्रक्रिया पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि बजट घोषणाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है, अत: इसमें किसी प्रकार की शिथिलता नहीं बरती जाए।

बैठक में न्यायालय में लंबित प्रकरणों की स्थिति की भी समीक्षा की गई। जिला कलैक्टर ने निर्देश दिए कि सभी विभाग न्यायालयीन मामलों की नियमित मॉनिटरिंग करें तथा तय समय-सीमा में प्रभावी पैरवी करें।

जिला जनसुनवाई स्थगित

बालोतरा, (निसं)। बालोतरा जिले में 19 फरवरी को आयोजित होने वाली जिला स्तरीय जनसुनवाई को स्थगित किया गया है।

अतिरिक्त जिला कलैक्टर भुवनेश्वर सिंह चौहान ने बताया कि वर्तमान में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में निर्वाचन नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य प्रगति पर है। उक्त कार्य में अधिकारियों एवं कर्मचारियों की व्यस्तता को देखते हुए गुरुवार, 19 फरवरी को आयोजित होने वाली जिला स्तरीय जनसुनवाई स्थगित की गई है।